आजा हारे के सहारे

आँखों के आँसू, हर पल पुकारे,
आजा हारे के सहारे ॥

गहरी नदी है, तेज़ है धारा।
रात अँधेरी, दूर किनारा ॥
माँझी बनकर, करके तूँ ही तो,
सबको पार उतारे,
आजा हारे के सहारे ॥

आस की माला, टूट गई है,
शायद किस्मत, रूठ गई है ॥
ग़ैर हो गए, जो थे अपने,
हम अपनों से हारे,
आजा हारे के सहारे ॥

ऐसा कोई, नज़र न आए,
जो इस दिल को, धीर बँधाए ॥
जो देखे थे, सपने मैंने,
चूर हो गए सारे,
आजा हारे के सहारे ॥

देर करो न, कृष्ण कन्हईया,
पार लगा दो, मेरी नईया ॥
कैसे फूल, खिलेंगे बेधड़क,
यह पतझड़ के मारे,
आजा हारे के सहारे ॥
आँखों के आँसू, हर पल पुकारे,
आजा हारे के सहारे ॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21723/title/aankho-ke-ssansu-har-pal-pukare-aaja-haare-ke-sahare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |